



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड I
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 53]

नई दिल्ली, मंगलवार, मार्च 9, 1999/फाल्गुन 18, 1920

No. 53]

NEW DELHI, TUESDAY, MARCH 9, 1999/PHALGUNA 18, 1920

वाणिज्य मंत्रालय

आरंभिक अधिसूचना

नई दिल्ली, 9 मार्च, 1999

सं. 25/1/98/ए डी डी.—सन् 1995 में यथासंशोधित, कस्टम टैरिफ एक्ट 1975 तथा कस्टम टैरिफ

४ पाठित वस्तुओं पर पाटनरोधी सीमा शुल्क की पहचान, मूल्यांकन एवं समाहरण तथा छान की निश्चयन १९९५ के अनुसार मै. श्री कृष्णा पेपर मिल्स एंड इंडस्ट्रीज लि., 4830/24, प्रहलाद स्ट्रीट, अंसारो रोड, वरियागंज, नई दिल्ली -110002 ने पदनामत प्राधिकारी १ जिसे इसमें इसके बाद प्राधिकारी कहा गया है १ के समक्ष जापान, फिनलैंड, जर्मनी तथा ईयू से थर्मल सेंसेटिव पेपर १ ठेपसपी १ के आरोपित पाटन के लिए पाटन रोधी जाँच करने एवं पाटन रोधी सीमा-शुल्क लगाने का अनुरोध करते हुए याचिका प्रस्तुत की है।

1. संबंधित-उत्पाद वर्तमान याचिका में संबंधित उत्पाद जापान, फिनलैंड, जर्मनी तथा ईयू मूल के या यहां से निर्यातित थर्मल सेंसेटिव पेपर १ जिसे इसमें इसके बाद निर्यातित माल भी कहा गया है १। थर्मल सेंसेटिव पेपर मूलतः फैक्स मशीनों, ईसोजी मशीनों, सोएडो/सोएएम मशीनों, एनसीआर मशीनों, केश रजिस्ट्रों आदि में प्रयोग किया जाता है।

थर्मल सेंसेटिव पेपर १ ठेपसपी १ कस्टम टैरिफ एक्ट, 1975 के उप-शोर्ष संख्या 4809-10 में "कार्बन या समान कोपिंग पेपर" श्रेणी में वर्गीकृत है। यह निर्यातों तथा आयातों के लिए आईटीसी वर्गीकरण के अन्तर्गत शोर्ष 48091009-10 में "थर्मल पेपर फार फैक्स मशीनस" में वर्गीकृत है। तथापि, यह वर्गीकरण केवल सकेतात्मक है और किसी भी प्रकार से वर्तमान जाँच पर बाध्यकर नहीं है।

2. स्वदेशी उद्योग की स्थिति : वादी ने दावा किया है कि यह विषयगत माल का एकमात्र उत्पादक है, अतः वह स्वदेशी उद्योग को ओर से वर्तमान याचिका दायर करने के आधार को संतुष्ट करता है ।

3. संबंधित देश:- वर्तमान जाँच में संबंधित देश जापान, फिनलैंड, जर्मनी तथा ईयू हैं (जिन्हें

इसमें इसके बाद विषयगत देश भी कहा गया है ।)

4. समान वस्तुएँ: वादी ने दावा किया है कि इसके द्वारा उत्पादित माल और जापान, फिनलैंड,

जर्मनी तथा ईयू मूल के या यहाँ से निर्यातित माल एक ही वस्तु है । वादी द्वारा उत्पादित माल एवं विषयगत देशों से आयातित माल, नियमों के अर्थों के भीतर समान वस्तु मानी जा रही है ।

5. पाटन तथा पाटनमार्जिन

क. सामान्य मूल्य: वादी ने जापान, फिनलैंड, जर्मनी तथा ईयू में थर्मल सेंसेटिव पेपर ४ वेपसपो

के निर्मित मूल्य के आधार पर सामान्य मूल्य का दावा किया है ।

ख. निर्यात मूल्य: कम्पनी ने सेकेंडरी डाटा श्रोतों के आधार पर विषयगत देशों से निर्यात मूल्य

का दावा किया है । वादी ने फैक्ट्री मूल्य का हिसाब लगाने के लिए समुद्री भाड़े, बीमे तथा कमीशन के लिए समायोजन की मांग की है ।

भारत में थर्मल सेंसेटिव पेपर(वेपसपो)के निर्यात मूल्य के संबंध में पर्याप्त प्रथम दृष्टया सक्षम हैं ।

ग. उपरोक्त विवरण में दिए गए सामान्य मूल्य और निर्यात मूल्य पर विचार करने पर पाटनमार्जिन न्यूनतम सीमाओं से काफी ऊँचा है ।

इससे प्रथम दृष्टया यह संकेत मिलता है कि जापान, फिनलैंड, जर्मनी तथा ईयू से निर्यातकों द्वारा विषयगत माल का पाटन किया जा रहा है ।

6. क्षति तथा कारणात्मक संबंध : स्वदेशी उद्योग से संबंधित विभिन्न आर्थिक संकेतक जैसे क्षमता

के उपयोग का निम्न स्तर, विक्रियों से कम प्राप्तियाँ तथा प्रतिमीट्रिक टन बढ़ी हुई हानि आदि समग्र तथा सूक्ष्म रूप में, बताते हैं कि क्षेपण के कारण स्वदेशी उद्योग को वित्तीय हानि हुई है । इस बात के पर्याप्त प्रमाण हैं कि विचाराधीन उत्पाद के आयातों से स्वदेशी उद्योग को हानि हुई है ।

7. पाटनरोधो जाँच का आरंभ करना : पहले के पैराग्राफों पर विचार करते हुए पदनाशित प्राधिकारी, विषयगत देशों के मूल के या उनसे निर्यातित विषयगत माल के आरोपित पाटन के वजूद, डिग्री तथा प्रभाव के संबंध में पाटनरोधो जाँच आरंभ करते हैं ।

8. वर्तमान जाँच के प्रयोजन के लिए जाँच की अवधि 1 अप्रैल, 1998 से 31 दिसम्बर, 1998 ईनी महीने की है ।

9. सूचना देना : विषयगत देशों में निर्यातकों एवं ज्ञात संबंद भारतीय आयातकों को निर्धारित रूप और ढंग से संबंधित सूचना देने तथा पदनामित प्राधिकारी, वाणिज्य मंत्रालय, पाटनरेधो प्रभाग उद्योग भवन, नई दिल्ली - 110 011 को अपने विचार बताने का अनुरोध करते हुए अलग से लिखा जा रहा है । इसमें रूचि रखने वाली कोई ओर पार्ति भी नोचे, दी गई समयावधि की सीमा के भीतर निर्धारित रूप और ढंग से, जाँच से संबंधित आवेदन दे सकती है ।

10. समय की सीमा - वर्तमान जाँच से संबंधित कोई भी सूचना लिखित रूप में दी जाए और उपरोक्त पते पर पदनामित प्राधिकारी के पास, इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से 40 दिनों के भीतर पहुँच जानी चाहिए । तथापि, जिन ज्ञान निर्यातकों तथा आयातकों को अलग से लिखा जा रहा है, उनको अलग से लिखे गए पत्र की तारीख से 46 दिनों के भीतर सूचना देनी होगी ।

11. सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण : नियम 6१7१ के अनुसार, रूचि रखने वाली कोई भी पार्ति सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकती है जिसमें अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए सक्ष्यों के गैर-गोपनीय रूप दिए गए हैं ।

12. यदि कोई हितबद्ध पार्ति आवश्यक सूचना तक पहुँच को मना करती है या उचित समय के भीतर अन्यथा सूचना नहीं देती है या जाँच में महत्वपूर्ण ढंग से जाँच में बाधा डालती है तो प्राधिकारी, उसे उपलब्ध तथ्यों के आधार पर, केन्द्रीय सरकार से ऐसी सिफारिशें कर सकता है जो वह उचित समझता है ।

रति विनय झा, पदनामित प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE

INITIATION NOTIFICATION

New Delhi, the 9th March, 1999

Subject:- Initiation of anti-dumping investigation concerning import of Thermal Sensitive Paper(TSP) from Japan, Finland, Germany and E.U.

No. 25/1/98/ADD :—M/s Shree Krishna Paper Mills & Industries Limited, 4830/24, Prahlad Street, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi-110 002 has filed a petition in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) alleging dumping of Thermal Sensitive Paper(TSP) from Japan, Finland Germany and E.U. and requested for anti dumping investigations and levy of anti dumping duties.

1. **Product Involved**: The product involved in the present petition is Thermal Sensitive Paper (also referred as subject goods hereinafter) originating in or exported from Japan, Finland, Germany and E.U. Thermal Sensitive Paper is primarily used in Fax Machines, ECG Machines, CAD/CAM Machines, NCR Machines, Cash Registers etc.

Thermal Sensitive Paper (TSP) is classified under custom sub-heading No.4809.10 of the Customs Tariff Act 1975 in the "Carbon or Similar Copying Paper" category. It is further classified under ITC Classification for Exports and Imports under heading 48091009.10 as "Thermal Paper for Fax Machines". The classification is, however indicative only and in no way binding on the present investigations.

2. **Domestic Industry Standing** : The petitioner has claimed that it is the only producer of the subject goods and therefore, satisfies the standing to file the present petition, on behalf of the domestic industry.

3. **Country(ies) involved**: The countries involved in the present investigation are Japan, Finland, Germany and E.U. (also referred as subject countries, herein after).

4. **Like Goods**: The petitioner has claimed that goods produced by it are like articles to the goods exported, originating in or exported from Japan, Finland Germany and E.U.. Goods produced by the petitioner are being treated as like articles to the goods imported from the subject countries within the meaning of the Rules.

5. **Dumping and Dumping Margin**:

a. **Normal value**: The petitioner has claimed normal value based on the constructed value of Thermal Sensitive Paper (TSP) in Japan, Finland, Germany and E.U..

b. **Export price**: The company has claimed the export price from the subject countries based on the Secondary Data sources. The petitioner has claimed adjustments on account of ocean freight, insurance and commission to arrive at the ex-factory price.

There is *prime facie* evidence with regard to export price of Thermal Sensitive Paper(TSP) in India.

c. Considering the normal value and export price as detailed above, the dumping margin is significantly higher than the de-minimus limits.

This *prima facie* indicates that the subject goods are being dumped by the exporters from Japan, Finland, Germany and E.U..

6. **Injury & Causal link** : The various economic indicators relating to domestic industry such as low level of capacity utilisation, lower sales realisation and increased losses per MT etc. collectively and cumulatively, indicate that the domestic industry has suffered injury. There is sufficient evidence that the imports of the product under consideration have caused injury to the domestic industry.

7. **Initiation of Anti-Dumping Investigation**: The Designated Authority, in view of the foregoing paragraph, initiates anti-dumping investigations into the existence, degree and effect of alleged dumping of the subject goods originating in or exported from the subject countries.

8. The period of investigation for the purpose of present investigations is 1st April, 1998 to 31st December, 1998 (9 months).

9. **Submission of Information** : The exporters in the subject countries and the importers in India known to be concerned are being addressed separately to submit relevant information in the form and manner prescribed and to make their views known to the Designated Authority, Ministry of Commerce, Anti Dumping Division, Udyog Bhawan, New Delhi-110011. Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation in the prescribed form and manner within the time limit set out below.

10. **Time Limit**: Any information relating to the present investigations should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than forty days from the date of publication of this notification. The

known exporters and importers, who are being addressed separately, are, however, required to submit the information within forty days from the date of letter addressed to them separately.

11. **Inspection of Public File:** In terms of Rule 6(7), any interested party may inspect the public file containing non-confidential version of the evidence submitted by other interested parties.

12. In case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

RATHI VINAY JHA, Designated Authority